Newspaper Clips
June 18-20, 2016

June 20, 2016

Amar Ujala ND 20/06/2016 P-06

सिक्योरिटी फीस से सीटें तय

आईआईटी में पहली बार की गई नई व्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी, जीएफटी, आईएसएम धनबाद और उनकी अलग-अलग ब्रांच की सीटों का विकल्प लॉक करने वाले स्टूडेंट अब सिक्योरिटी फीस जमा कर ही सीट कन्फर्म करा सकेंगे। ऐसा पहली बार होगा। सामान्य स्टूडेंटों की सिक्योरिटी फीस 45 हजार और एससी, एसटी, ओबीसी, सभी श्रेणी के निःशक्त स्टूडेंटों की फीस 20 हजार रुपये तय की गई है। एसबीआई नेट बैंकिंग और ई-चालान से फीस जमा की जा सकेगी।

देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग, साइंस और माइनिंग इंस्टीट्यूट की एडमिशन प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी। इससे पहले ही जॉइंट एडमिशन बोर्ड (जैब) ने रविवार को सीटें भरने का नियम, मानक बना दिया। यह पहला मौका है, जब एडमिशन से पहले स्टूडेंटों से सिक्योरिटी फीस जमा कराई जाएगी। पहले (2015) काउंसलिंग के बाद फीस जमा कराने की व्यवस्था थी लेकिन इस बार (2016) ऐसा नहीं होगा। सिक्योरिटी फीस जमा करके ही इंस्टीट्यूट और उसकी सीटें प्राप्त की जा सकेंगी। जो स्टूडेंट फीस नहीं जमा करेंगे, उनका आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) एडवांस के चेयरमैन प्रो. कृष्णकांत ने बताया कि सिक्योरिटी फीस जमा कराने की व्यवस्था पहली बार लागू की गई है।

इस वजह से लागू की गई व्यवस्था

वर्ष 2015 में आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी, जीएफटी और आईएसएम की तमाम सीटें खाली रह गई थीं। यही नौबत इस बार (2016) न आए, इसलिए जॉइंट एडमिशन बोर्ड (जैब) ने सतर्कता बरती है। विकल्प लॉक करने से पहले ही सिक्योरिटी फीस जमा करने की व्यवस्था कर दी है। इससे सीटें खाली रहने का खतरा कम हो जाएगा।

आईआईटी की 10575 सीटें भरेंगी

इस बार कानपुर सहित देश की 22 आईआईटी और आईएसएम धनबाद की 10575 सीटें भरी जानी हैं। एनआईटी, ट्रिपल आईटी और जीएफटी की 24 हजार सीटें भरी जाएंगी। इसका ब्योरा वेबसाइट www.josaa.nic.in पर उपलब्ध करा दिया गया है।

4 चरणों में होगी काउंसलिंग

प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों की सीटें चार चरणों की काउंसलिंग से भरी जाएंगी। इसका विस्तृत शेड्यूल जॉइंट एलोकेशन बोर्ड ने जारी कर दिया है। काउंसलिंग 24 जून से शुरू होगी। 28 जून तक संस्थान और उसकी सीटों के विकल्प लॉक किए जा सकेंगे। पहले चरण की सीटें 30 जून को आवंटित की जाएंगी।

Aaj Samaj ND 20.06.2016 P-11

सड़कों पर दौड़ेगी पहली सोलर कार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कार बनाने का दावा किया है। यह कार अगले कुछ महीनो में बाजार में उतारी जाएगी। सौर उर्जा से कार में एसी भी चलेगा। आईआईटी, बीएचयू के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में 16 जून को इस कार का परीक्षण किया गया, लेकिन फिलहाल यह कार पूरी तरह से सौर ऊर्जा से नही चलेगी। इसे डीजल और बायो डीजल के मिश्रण से चलाया जाएगा। सोलर कार बनाने वाले ग्रुप के प्रमुख प्रो. एसके शुक्ला और प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. जेवी तिर्की के अनुसार अभी कार की इलेक्ट्रिक प्रणाली को सौर ऊर्जा पैनल से जोड़ा गया है। कार की छत पर लगाया गया सोलर पैनल इसकी बैटरियों को ऊर्जा देगा। यह प्रोजेक्ट टाटा मोटर्स के सहयोग से चलाई जा रही है। प्रो. शुक्ला ने बताया कि सोलर पैनल छत पर लगे होने के कारण कार के अंदर गर्मी नहीं होगी। एक बार एसी चलाकर थोड़ी देर बाद बंद कर देने पर कार में काफी देर तक ठंडक बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि यह पैनल सूरज की किरणों से 180 वाट तक ऊर्जा संरक्षित करेगा, जो कार को स्टार्ट करने, रात में बल्ब जलाने और पंखे चलाने के लिए पर्याप्त होगी. एसी का ब्लोअर भी इससे चलाया जा सकता है। डॉ. तिर्की ने बताया कि अभी इतनी ऊर्जा इस पैनल से नही मिल रही है कि बिना पेट्रोल या डीजल के कार को चलाया जा सके। हालांकि बाद में सुधार करके उच्च क्षमता वाले पैनलों के जरिये यह भी संभव हो सकता है। इसके लिए कम से कम 400 किलोवाट ऊर्जा की जरूरत होगी। तिर्की के मुताबिक यह कार डीजल और बॉयोडीजल के मिश्रण से चलेगी।

Deccan Herald ND 20/06/2016 P-05

Jaitley lays foundation stone for IIM-Amritsar

This will be the own campus for country's 15th IIM

AMRITSAR: Education and agriculture will have to go hand in hand for India's development as has been the case in countries like Japan and South Korea, Finance Minister Arun Jaitley said on Sunday as he laid the foundation stone for a new campus of IIM-Amritsar.

This would be the own campus of IIM-Amritsar, the 15th Indian Institute of Management in the country, which has been so far operating from a temporary facility. Jaitley said the government and private companies will have to join hands for taking the education sector forward in Punjab.

Stressing that 55% of people are engaged in agriculture, Jaitley pointed at rising unemployment in the farm sector which has forced people to look at other sectors for income and stressed on the need for good quality education.

He also said that the government's efforts to develop the premier institute in Punjab will encourage more educational institutes to set up campuses in the state.

"Education and agriculture will have to go hand in hand as we have seen in other countries like Japan and South Korea... Government and private institutions both will have to contribute for development of education in India," Jaitley said.

The Union Minister also highlighted the contribution of Narendra Modi government in bringing reputed institutions like the AIIMS and IIMs to Punjab.

The new campus of IIM-Amritsar, which commenced its first batch last year out of a temporary facility, will be built on a 60-acre land in Manawala on the National Highway-1.

Union Human Resource Development Minister Smriti Irani, Punjab Chief Minister Parkash Singh Badal and Deputy Chief Minister Sukhbir Singh Badal also attended the event.

SMRITI IRANI, HRD MINISTER: I hope in Punjab, which is known for farmers, milk and agro processing, the IIM-Amritsar will have courses as per the state's priorities

"In the coming years, IIM-Amritsar will become a premier educational institution," Jaitley said. In her address, Irani said that she hoped IIM-Amritsar will soon be among the top-five institutes of the country.

"I hope in Punjab, which is known for farmers, milk and agro processing, the IIM-Amritsar will have courses as per the state's priorities," Irani said.

Jaitley in his first Budget in July 2014 had announced setting up of five new IIMs in Himachal Pradesh, Bihar, Punjab, Maharashtra, Odisha and Andhra Pradesh.

Amritsar was chosen in Punjab for setting up the IIM. Jaitley had in 2014 unsuccessfully contested Lok Sabha election from Amritsar, where he lost to former Chief Minister Captain Amarinder Singh of Congress.

The IIM at Amritsar is reported to be the smallest among the IIMs in the country. Most of the 14 existing IIMs have 90 acres or more land for their campuses.

IIM Calcutta was the first IIM to be set up in November 1961 followed by ones at Ahmedabad, Bangalore, Lucknow, Kozhikode, Indore, Shillong, Rohtak, Ranchi, Raipur, Trichy, Kashipur, Udaipur and Visakhapatnam.

In the Union budget presented on Feb 28, 2015, two more IIMs were announced at Jammu and Kashmir and Telangana.

PTI

IIT-M ranked 62nd in Asia top-200 list

http://timesofindia.indiatimes.com/city/chennai/IIT-M-ranked-62nd-in-Asia-top-200-list/articleshow/52825566.cms

Chennai: Sixteen Indian universities have made it to the top 200 institutions in Asia in the rankings released by Times Higher Education this year.

Indian Institute of Science in Bengaluru was placed 27th in the ranking list where National University of Singapore and Nanyang Technological University were first and second respectively.

Eight Indian Indian institutes were ranked in the top 100 with IIT-Bombay placed 43rd. IIT-Kharagpur (51st), IIT-Delhi (60th), IIT-Madras (62nd), IIT-Roorkee (65th) and IIT-Guwahati (80th), Kolkata's Jadavpur University (in the joint 84th place) also featured in the list.

Twenty-two countries have participated in the ranking system, up from 14 last year.

A release from Times Higher Education said that the ranking system this year laid emphasis on government-backed centres of excellence which have pioneered research across Asia. Also, this was the first time two institutes from Singapore topped the list.

June 19, 2016

Rajasthan Patrika ND 19.06.2016
P-12

{ नेशनल/ वर्ल्ड शॉट्स }

कश्मीरी युवाओं के लिए रोशनी बने तीन आईआईटी छात्र

सुपर 30 की तर्ज पर कोचिंग से आईआईटी में प्रवेश पा रहे छात्र

नई दिल्ली @ पत्रिका

patrika.com/india

बिहार के आनंद कुमार और उनके सुपर 30 की तर्ज पर कश्मीर में आईआईटी के तीन पूर्व छात्रों का कोचिंग संस्थान कश्मीरी युवाओं के लिए नई रोशनी लेकर आया है। श्रीनगर में चल रहे इस संस्थान से इस साल चार छात्र आईआईटी में चयनित हुए हैं।

कोचिंग संस्थान राइज के संस्थापक मुबीन मसूदी, इम्बेसात अहमद और सलमान शाहिद के लिए यह शुरू करना इतना आसान नहीं था। कॉरपोरेट जगत की अच्छी नौकरी छोड़कर कश्मीर घाटी में कोचिंग शुरू करने के इनके इरादे को घरवालों में पहले सहमति नहीं दी।

आईआईटी से पासआउट और आईआईएम प्रवेश परीक्षा कैट 2012 में सेकंड रैंक हासिल करने वाले मुबीन ने कोचिंग स्थापित करने के लिए तीन साल पहले नौकरी छोड़ दी और दिल्ली से श्रीनगर लौट आए। मुबीन के अन्य दो सहयोगी इम्बेसात बिहार के और सलमान शाहिद दिल्ली के हैं, दोनों आईआईटी खुडगपुर के पास आउट हैं। कोचिंग का पहला बैच चुनने के लिए उन्होंने कश्मीर में टैलेंट सर्च परीक्षा आयोजित की। करीब 15000 छात्र इसमें शामिल हुए। परीक्षा के बाद 50 छात्रों को पहले बैच में चुना गया। ऐसे छात्र जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक थी, उनसे 1000-1200 रुपए प्रतिमाह फीस ली गई।

IIT Palakkad work to begin

http://timesofindia.indiatimes.com/city/kozhikode/IIT-Palakkad-work-to-begin/articleshow/52815684.cms

The construction of the Indian Institute of Technology (IIT) campus is set to begin within three months at Kanjikode in Palakkad. P B Sunilkumar, director in-charge of IIT Palakkad, will take advance possession of a portion of the land to start construction of the laboratories before taking over the entire 500 acres to avoid delay.

State offers more facilities to IIT Goa at GEC

http://timesofindia.indiatimes.com/city/goa/State-offers-more-facilities-to-IIT-Goa-at-GEC/articleshow/52814172.cms

Goa Engineering College (GEC) will offer space for classrooms, library, staff room and a hostel wing and also share its sports facilities with the Indian Institute of Technology (IIT) Goa, which is set to become operational post July 15 this year. State education officials met Union human resource development (HRD) ministry authorities this week to appraise them of the IIT Goa infrastructure at its temporary campus at GEC in Farmagudi. Sources said Goa officials will provide one classroom, chemistry and physics labs and a tutorial room. Some space in the main building of GEC will also be handed over to the IIT to house the staff rooms, the director's room and the library. Besides, the IIT Goa students will be able to use the playground, badminton and basketball courts of GEC. One of the GEC hostel wings will also be alloted to the institute. The ministry has already called for tenders to run the mess at the hostel. Tenders have also been floated by the ministry to renovate the facilities alloted to IIT Goa. IIT Goa will offer 90 seats - 30 each in three streams of computer engineering, mechanical engineering and electrical engineering. GEC is also providing one of its guest bungalows to IIT Goa to house guest lecturers. The ministry has also advertised for the post of the IIT Goa director. IIT Goa will be mentored by the IIT Bombay for the first three years. The state has been informed that at professor Siva Prasad based at IIT Bombay will coordinate the functioning of IIT Goa. In Goa, the operations of IIT Goa will be coordinated by IIT B faculty member Sharad Bharatiya.

Sources said that IIT Goa is likely to rent apartments in Ponda to house its faculty members. The permanent facilities for the new IIT are set to be constructed in Loliem, Canacona.

Dainik Bhaskar ND 19.06.2015 P-1

15 साल तक भाई को पीठ पर स्कूल-कोचिंग ले गया, दोनों आईआईटी पहुंचे

कोटा | ये कहानी है दो भाइयों की। बड़े भाई कृष्ण को डेढ़ साल की उम्र में पोलियो हो गया। दोनों पैर और एक हाथ ने काम करना बंद कर दिया। स्कूल जाने की बड़ी इच्छा। छोटे भाई बसंत ने जिम्मा उठाया। पीठ पर लादकर रोज बड़े भाई को स्कूल ले जाता। कोटा में कोचिंग के लिए आए। तीन साल यहां भी साथ रहे। 15 साल से चल रहा बड़े भाई को पीठ पर लाने ले जाने का सिलसिला यहां भी जारी रहा। अब दोनों भाइयों का सिलेक्शन आईआईटी के लिए भी एक साथ हो गया है। कृष्ण की ओबीसी कोटे में 38वीं और बसंत की 3769 रैंक आई। दोनों भाई बिहार के समस्तीपुर के निकट परोरिया गांव के रहने वाले हैं। पिता मदन पंडित किसान हैं। आईआईटी में दोनों भाइयों का सिलेक्शन एक साथ हुआ है, लेकिन एक दुख भी है कि दोनों को अलग-अलग संस्थानों में प्रवेश मिला है।

Navbharat Times ND 19.06.2016 P-7

न्यू एजुकेशन पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार कर रही कमिटी ने की आरटीई में बदलाव की सिफारिश

नई शिक्षा नीति : एग्जाम सिस्टम में बड़ा बदलाव?

Poonam.Pandey
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** न्यू एजुकेशन पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए बनी कमिटी ने राइट टु एजुकेशन (आरटीई) और एग्जामिनेशन सिस्टम में बदलाव की सिफारिश की है। साथ ही पूर्व कैबिनेट सेक्रेटरी टीएसआर सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी ने वैल्यू एजुकेशन पर भी जोर दिया है।

राइट्स ही नहीं, ड्यूटीज भी जरूरी: कमिटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सत्य, धर्म, शांति, प्रेम और अहिंसा कोर यूनिवर्सल वैल्यू हैं। शिक्षा के हर स्तर पर वैल्यू एजुकेशन उसका अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। बच्चों को अच्छे संस्कार देने में टीचरों, पैरंट्स, कम्युनिटी लीडर्स को अहम रोल अदा करना चाहिए। कमिटी ने सिफारिश की है कि स्टूडेंट्स को महज उनके मौलिक अधिकारों के बारे में ही नहीं बताना चाहिए, बल्कि उन्हें संविधान में बताई गई जिम्मेदारी के बारे में भी शिक्षित किया जाना चाहिए।

यूपीएससी के जरिए रिक्रूटमेंट : कमिटी ने सुझाव दिया है कि एजुकेशन कैडर के लिए ऑल इंडिया एजुकेशन सर्विस का गठन हो, जिसके लिए रिक्रूटमेंट यूपीएससी के जरिए करा जाए। इसमें वक्त लगेगा तो अंतरिम इंतजाम के तौर पर एक बार यूपीएससी मौजूदा एजुकेशन कैडर के बीच से ही स्पेशल रिक्रूटमेंट कर सकती है। कमिटी ने सिफारिश की है कि सर्विस से जुड़े मामले सुलझाने के लिए राज्य स्तर पर अलग एजुकेशन ट्रिब्यूनल का गठन किया जाए।

आरटीई में बदलाव : कमिटी ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरटीई में बदलाव किया जाना चाहिए। प्राइवेट स्कूलों को मान्यता देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के जो नियम हैं, वही सरकारी स्कूलों पर भी लागू होने चाहिए। नियमों के मामले में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में भेदभाव नहीं होना चाहिए और नियम न मानने पर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही राज्यों को इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नॉर्म्स तय करने की छूट मिलनी चाहिए। छोटे और ऐसे स्कूल जहां स्टूडेंट्स नहीं हैं या कम हैं उन्हें मर्ज करने की सिफारिश भी की गई है।

एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स : कमिटी ने कहा है कि एग्जामिनेशन सिस्टम भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। सिस्टम में भरोसा लाने के लिए एग्जामिनेशन सिस्टम में बदलाव को नैशनल अजेंडे में शामिल करना होगा। सिर्फ नंबर पाने के लिए एग्जाम नहीं होने चाहिए, बल्कि एग्जाम में अंडरस्टैंडिंग का टेस्ट होना चाहिए। स्टूडेंट की परफॉर्मेंस महज बोर्ड एग्जाम से तय नहीं होनी चाहिए बल्कि पीरियोडिक टेस्ट और क्लास रूम परफॉर्मेंस को भी क्रेडिट मिलना चाहिए। हर पब्लिक एग्जाम के बाद एक ओपन वेबसाइट पर मूल्यांकन का क्या क्राइटीरिया रहा, यह बताना चाहिए। कमिटी ने शिक्षा पर जीडीपी का कम से कम 6 पर्सेंट खर्च करने की सिफारिश भी की है। अभी करीब 3.5 पर्सेंट खर्च किया जाता है।

National Duniya ND 19/06/2016

तकनीक | एक ऐप के जरिए सिर्फ 500 रुपये में पा सकेंगे डिग्रियां

अब घर बैठे डिग्रियां पा सकेंगे छात्र-छात्राएं

नेशनल दुनिया

लखनऊ। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा है कि केंद्र सरकार एक स्वयं नाम से मोबाइल एप और पोर्टल लांच करने जा रही है। इससे स्टूडेंट्स महज 500 रुपए में घर बैठे डिग्री पा सकेंगे। उन्होंने कहा है कि एप के जरिए स्टूडेंट्स देश के टॉप आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी की डिग्री, डिप्लोमा, एक सर्टिफिकेट कोर्स की पढ़ाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह एप दो महीने में केंद्र सरकार की तरफ से लांच किया जाएगा। पोर्टल दस क्षेत्रीय भाषाओं में होगा। डिग्री व डिप्लोमा कोर्स के सर्टिफिकेट के स्टूडेंट्स को परीक्षा देनी होगी। इसके लिए स्टूडेंट्स को

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी।

महज 500 रुपए परीक्षा फीस जमा करना होगा। इसके लिए 1000 परीक्षा केंद्र खोले जाएंगे। शिक्षा में सुधार के लिए हर तीन महीने पर सिलेबस अपग्रेड किया जाएगा जिससे छात्रों को इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप शिक्षा दी जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स के लिए स्टडी मैटेरियल भी ऑनलाइन किया जाएगा। इसके कंटेंट आडियो और विजुअल दोनों होंगे। यह वही कोर्स होंगे, जिनको यूजीसी की मान्यता मिली हुई है। आने वाले समय में सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को स्टूडेंट्स को 180 दिन में डिग्री और मार्कशीट उपलब्ध कराना होगा।

स्मृति ईरानी ने कहा है कि एनसीईआरटी के नए सिलेबस में हैंड हाईजीन कोर्स को शामिल किया जायेगा। जिससे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे शुरू से ही स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सकेंगे। उन्होंने कहा है कि जब नए सिलेबस तैयार किए जाएंगे तो उसमें इसे अवश्य शामिल किया जाएगा। एमएचआरडी मिनिस्टर की तरफ से यह घोषणा किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रविकांत की तरफ से दिए गए सुझाव के बाद की गई है। इस मौके पर स्मृति ईरानी ने कुलपति प्रो रविकांत को एनसीईआरटी की कमेटी में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

June 18, 2016

Rashtrya Sahara ND 18/06/2016 P-09

साइबर अटैक मामले में होगी एफआईआर

■ नई दिल्ली।
विनोद के शुल्क। एसएनबी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा एडवांस (जेईई एडवांस) के परिणाम घोषित किए जाने वाली वेबसाइट पर हुए साइबर अटैक के मामले में अब एफआईआर दर्ज किए जाने को कहा है। मंत्रालय ने आईआईटी गुवाहाटी को इस बात के निर्देश दिए हैं कि वह इस मामले की जांच करे और जल्द एफआईआर दर्ज कराए। इस मामले में कोचिंग संस्थानों को भी शक के घेरे में रखा गया है।

मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस बार कोचिंग संस्थान भी शक के दायरे में है। मंत्रालय इस मामले को काफी गंभीरता से ले रहा है। इसलिए एफआईआर दर्ज कराने को कहा गया है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी वेबसाइट को कुछ वक्त के लिए उनकी सेवाएं रोकने के लिए इस तरह के साइबर अटैक किए जाते हैं। जिसमें एक वक्त में बहुत सारे आईडी से उस वेबसाइट में रिक्वेस्ट भेजी जाती है। यह मैनुवली नहीं होता है बल्कि एक सर्वर के जरिए होता है जिससे वेबसाइट पर ट्रैफिक इतना ज्यादा हो जाता है कि वेबसाइट क्रैश हो जाती है।

जेईई एडवांस के परिणाम वाली वेबसाइट पर हुआ था साइबर अटैक

आईआईटी गुवाहाटी कर रहा है मामले की जांच

पिछले रविवार (जून 12) को जब जेईई एडवांस का परिणाम घोषित किया गया तो परीक्षार्थी इस वेबसाइट पर अपने परिणाम नहीं देख पाए। लोगों को ऐसा लगा कि बड़ी संख्या मे लोगों के वेबसाइट पर पहुंचने के कारण ऐसा हुआ होगा लेकिन बाद में पता चला कि यह सुनियोजित तरीके से किया गया था और असामान्य आईडी से हिट्स हो रहे थे। इस दौरान एक मिनट में 10 हजार या इससे भी ज्यादा रिक्वेस्ट आने लगी थी। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि वेबसाइट पर यह साइबर अटैक था जो सेवाएं रोकने के लिए सुनियोजित ढंग से किया गया था। इस साइबर अटैक की पुष्टि होने के बाद रिजल्ट को दूसरी वेबसाइट पर शिफ्ट किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक ऐसा नहीं है कि पहली बार परिणाम के दिन इस तरह वेबसाइट पर अटैक हुआ है। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। जिसे कुछ वक्त बाद ठीक कर लिया गया था। पिछले साल की जांच के बाद यह पता चला था कि वह कुछ छात्रों की बदमाशी थी। तब कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

IIT, TIFR top in publishing research papers

http://indiatoday.intoday.in/education/story/iit-and-tifr-at-the-top/1/695011.html

IIT and TIFR are at the top in research and development sectors of academic enhancement in the country. Indian Institutes of Technology (IIT) and Tata Institute of Fundamental Research (TIFR) are leading in University-Industry-Government (UIG) collaborations in the last decade. This was analyzed in India's research and innovation landscape.

Collaborations were mapped in Web of Designs published from 2005 to 2014.

Indian publications recorded:

- 4,59,154 publications were downloaded from India
- 2,35,036 publications out of these involved multi-institutional collaboration
- Analysis has revealed that IIT is the top participant in these publications, collaborations for the past decade and more
- Top 10 universities in the category were enlisted from the university industry and government sectors which are a part of UI, IG, UG and UIG collaborations

Other participatory institutes:

- After IIT, the nest institutes that actively participated in these publications are TIFR, AIIMS and Bhabha Atomic Research Center
- The Jawaharlal Nehru Technological University and Dr. Reddy's Laboratories Ltd topped the UI pairing with 192 collaborations while the IITs and the Bhabha Atomic Research Centre ranked first in the top five UG pairs with 662 joint ventures

- 33 collaborations between Tata Memorial Hospital and the Advanced Centre for Treatment and Research and Education in Cancer pushed the pair to the top among the top five IG pairs.

Business Standard ND 18/06/2016 P-2

Microsoft acquires IIT alumnus' start-up Wand Labs

PRESS TRUST OF INDIA
New York, 17 June

A California-based start-up founded by an IIT-Delhi alumnus has been acquired by information technology giant Microsoft.

The firm, Wand Labs, develops messaging technology for applications. It was founded in 2013 by Vishal Sharma, who earlier was vice-president, products, at Google.

The terms of the acquisition have not been revealed. It takes Microsoft a step ahead in strengthening its position in combining the power of human language with advanced machines.

"This acquisition accelerates our vision and strategy for 'Conversation as a Platform', which Satya Nadella introduced at our Build 2016 conference," David Ku, corporate vice-president, information platform group, Microsoft, said. India-born Microsoft chief executive officer (CEO) Nadella, during the Build conference in March, told thousands of developers that he envisages a technological future where computer software can learn human language enabling natural conversations with people.

Wand Labs founder Sharma said it was an "exciting time" to be working in the area of semantics and conversation — which Nadella has termed as the core of the future.

"MAKING EXPERIENCES FOR CUSTOMERS MORE SEAMLESS BY HARNESSING HUMAN LANGUAGE IS A POWERFUL VISION WHICH MOTIVATES ME AND MY TEAM"

VISHAL SHARMA
Founder/CEO, Wand Labs

"Making experiences for customers more seamless by harnessing human language is a powerful vision which motivates me and my team," Sharma said, adding Wand's experience with semantics and messaging are a "natural fit" for the work underway at Microsoft, especially in the area of intelligent agents and cognitive services.

Microsoft executive Ku said Wand Labs' technology and talent would strengthen Microsoft's position in the "emerging era of conversational intelligence where we bring together the power of human language with advanced machine intelligence, connecting people to knowledge, information, services and other people in more relevant and natural ways".

Describing Sharma as an "experienced leader and entrepreneur" in the field of search and knowledge, Ku said, Wand's expertise around services mapping, third-party developer integration and conversational interfaces makes it a "great fit" to join the Bing engineering and platform team.

Mail Today ND 18/06/2016 P-6

Royal stay for scholars

THE President's House will host scholars from IITs, Indian Institues of Science Education and Research (IISER) and IISc for a week. They will stay at Rashtrapati Bhavan as part of an "In Residence" programme. Apart from science scholars, similar programmes are available for writers, artists, grass root innovators, NIT students and teachers.

Amar Ujala ND 18/06/2016 P-7

हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं में भी पढ़ेंगे छात्र

नोएडा (ब्यूरो)। एकेटीयू के छात्रों को अब हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में भी पढ़ाई करने का मौका मिलेगा। आईआईटी के प्रोफेसरों की मदद से विश्वविद्यालय एक पोर्टल तैयार करा रहा है। इस पर अंग्रेजी के अलावा हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में भी कोर्स से संबंधित पाठ्यसामग्री उपलब्ध रहेगी।

अभी तक विश्वविद्यालय की ओर से केवल अंग्रेजी में ही कोर्स से संबंधित पाठ्यसामग्री उपलब्ध होती थी। इस कारण ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। एकेटीयू की ओर से अगले सत्र से हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में भी कोर्स से संबंधित पूरी जानकारी और व्याख्यान पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा।